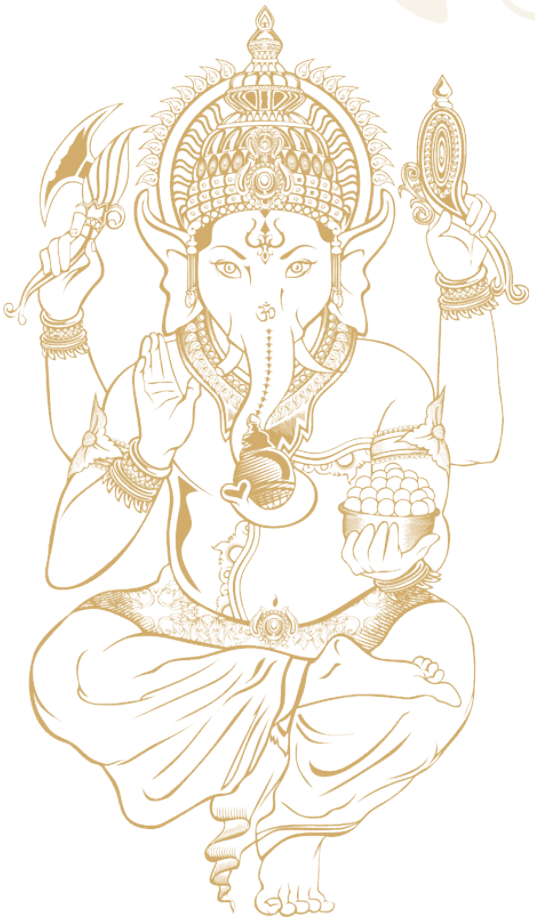

Mr.naman

Ms.pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120247711

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/11/1964	जन्म तिथि	20/11/1995
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:32:00	जन्म समय	07:32:00 घंटे
घटी 01:50:14	जन्म समय(घटी)	01:51:16 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:54	सूर्योदय	06:47:29
17:25:33	सूर्यास्त	17:25:43
23:21:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:04

विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 8मा 9दि

शनि	
31/07/2015	
31/07/2034	
शनि	03/08/2018
बुध	12/04/2021
केतु	22/05/2022
शुक्र	22/07/2025
सूर्य	04/07/2026
चन्द्र	02/02/2028
मंगल	13/03/2029
राहु	18/01/2032
गुरु	31/07/2034

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
12:59:39	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	12:08:01
04:25:29	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	03:27:47
10:24:37	वृष	चंद्र	कन्या	28:45:50
13:43:54	सिंह	मंगल	वृश्चि	28:18:02
23:26:08	वृश्चि	बुध	वृश्चि	01:39:26
26:46:50	मेष व	गुरु	वृश्चि	26:13:19
00:32:08	तुला	शुक्र	वृश्चि	26:54:41
05:16:14	कुंभ	शनि व	कुंभ	24:11:49
29:44:52	वृष व	राहु	तुला	02:27:44
29:44:52	वृश्चि व	केतु	मेष	02:27:44
21:03:45	सिंह	हर्ष	मक	03:33:02
24:34:52	तुला	नेप	धनु	29:32:55
22:44:52	सिंह	प्लूटो	वृश्चि	06:33:56

विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 1मा 23दि

गुरु	
13/01/2018	
13/01/2034	
गुरु	02/03/2020
शनि	13/09/2022
बुध	19/12/2024
केतु	25/11/2025
शुक्र	26/07/2028
सूर्य	14/05/2029
चन्द्र	13/09/2030
मंगल	20/08/2031
राहु	13/01/2034

लग्न-चलित

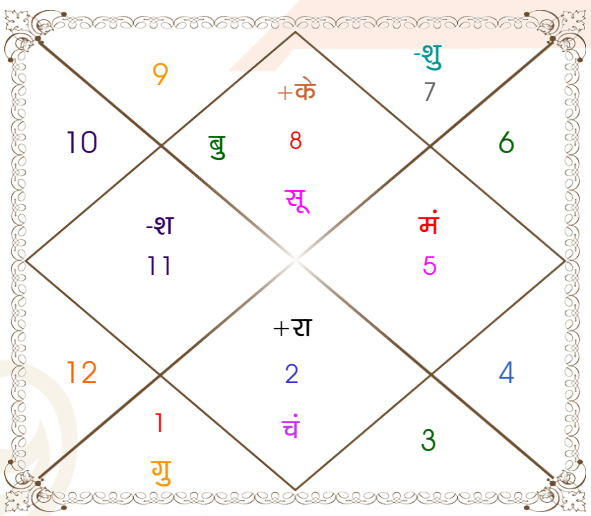

लग्न-चलित

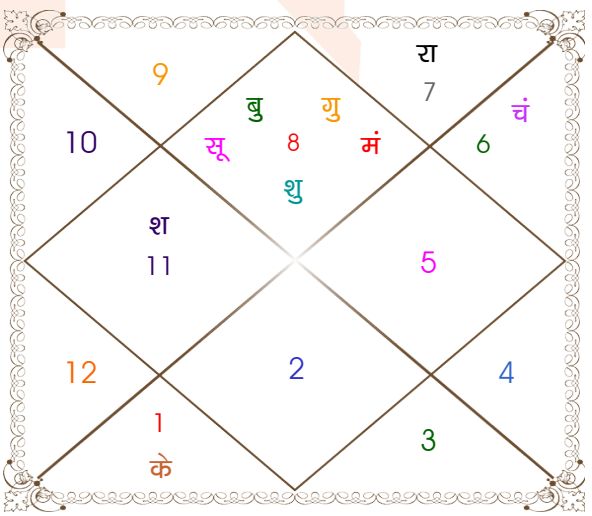

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्दंउंद का वर्ग गरूड़ है तथा डेण्चववरं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्दंउंद और डेण्चववरं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्दंउंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डेण्चववरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्चववरं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण्चववरं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्दंउंद तथा डेण्चववरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।